

नमूना -उत्तर पत्र

संकलित परीक्षा

कक्षा -दशवीं

पाठ्यक्रम -ब

कुल अंक -90

खंड - 'क'

उत्तर 1—अपठित गद्यांश

2x6 =12

(क) जब हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुने, बुद्धिमानों सलाह को कृतज्ञता पूर्वक मानें

(ख) नीची दृष्टी रखने से मनुष्य न तो उन्नति कर पाता है, और न ही उच्च दिशा की ओर पांव रख पाता है

(ग) नीची दृष्टि का लाभ यह है कि इससे मनुष्य सदा सही रास्ते पर चलता है पर साथ-साथ यह भी ध्यान रखना चाहिए कि रास्ते की मंजिल क्या है

(घ) चित्त की स्वतंत्रता से अभिप्राय सही निर्णय लेने में सक्षम होने के साथ व्यवहार में कोमलता व उद्देश्य को उच्च रखना लेकिन प्रकृति में कठोरता या उग्रता नहीं होनी चाहिए

(ङ) जब मन उत्साहहीन, निराश, उदास व पराजित महसूस करता है तब उसकी स्थिति मरे समान हो जाता है

(च) चित्त वृत्ति के बल पर मनुष्य परिश्रम करके सभी दुखों को साहस पूर्वक झेल पाता है

उत्तर -2

2x4 =8

(क) एक दिन पत्तियों ने डाल के विषय में कहा था कि डाल में कोई कमाल नहीं है पर सत्य है कि वह झूमती है, झुकती है, डोलती है, किन्तु वह गूँगी है ।

(ख) पत्तियाँ हर-हर व मर्मर स्वर करती हैं उनके मर्मर स्वर में रहस्य छिपा रहता है । पतझर में झरती हैं और प्रत्येक वर्ष नूतन रूप धारण करती हैं ।

(ग) पत्तियाँ दुनिया को ध्वनि प्रदान इस कारण करती हैं क्योंकि दुनिया का प्रत्येक मनुष्य पशु-पक्षी, जल, वायु अधिकांश वनस्पति सभी ध्वनि निकालते हैं ।

(घ) पत्तियाँ ग्रीष्म की मार से थके-हारे पथिक को अपनी सघन छाया प्रदान कर उसके दुःख व कष्ट को हर लेती हैं ।

खंड -ख

उत्तर 3

- (क) जब शब्द व्याकरण के नियमों से बंधे वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब पद कहलाते हैं । 1
- (ख) शब्द 1
- (ग) (i) दिवाकर साहसी होने के कारण पराजय स्वीकार नहीं करता । 1
- (ii) संगीता अध्यापिका के घर गई क्योंकि उसे फ्रेंच पढ़नी थी । 1
- (iii) वह पढ़ाई भी करता है और काम भी करता है । 1

उ. 4

- (क) i चिंता में मग्न —(तत्पुरुष समास) 1
- ii पांच आनों का समूह (द्विगु समास) 1
- (ख) i श्वेताम्बर (कर्मधारय) 1
- ii वृकोदर (बहुव्रीहि) 1
- (ग) होरा ठिकाने 1

उ.5

- (क) i उनके सौजन्य से यह काम पूरा हुआ है । 1
- ii सेब स्वास्थ्यवर्धक फल है । 1
- iii वहां लगभग सौ लोग हैं । 1
- iv घर में सब सकुशल है । 1
- (ख) 'कुछ समझ में न आना' (कोई उचित वाक्य) 1

खण्ड —ग

उ. 6

- (क) जो व्यक्ति व्यवहारिक होने के साथ-साथ आदर्श को भी अपने व्यवहार में लाता है । 2
- (ख) बाजार के चौराहे पर खामोशी इसलिए थी क्योंकि दुकानदार अपनी दुकानों में खाली बैठे थे, कोई खरीददार भी न था । 2
- (ग) अंडे ज़मीन पर टूट कर गिर गए थे । 1

उ.7

बढ़ती आबादी ने पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ा, ईश्वर ने प्रकृति में सबके लिए जगह बनाई, लेकिन स्वार्थी मनुष्य ने अपने स्वार्थ में सबको भुला दिया, वनों का दोहन, वृक्षों को काट डाला, रेतीले तट पर मानवों की बस्ती बसा ली, वृक्षों को काटकर बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर दीं । पशु-पक्षियों का बसेरा छीना, वातावरण में वृक्षों की कमी के कारण गर्मी में बढ़ोत्तरी, बेमौसम बरसात, कभी तूफान, कभी आंधियाँ, कहीं बाढ़ तो कभी सूखा । आजकल भूकंप व भूस्खलन आम बात हो गई । नए-नए रोगों व महामारियों ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया । 5

उ.8

- (क) वजीर अली रॉबिन हुड की तरह बहादुर और जाँवाज, दोनों ही अपनी वीरता व साहसिक 2

- कारनामों के लिए मशहूर लोगों को इन दोनों में समानता दिखती थी
- (ख) वज़ीर अली के मन में अंग्रेजों के खिलाफ नफरत भरी हुई थी, वह अंग्रेजों का घोर विरोधी, उसने सिर्फ पांच महीने शासन किया उसी दौरान अवध के दरवार को अंग्रेजी प्रभाव से मुक्त करवाने का भरपूर प्रयास 2
- (ग) वज़ीर अली का मकसद अवध को अंग्रेजों के प्रभाव से मुक्त करवाना था। 1
- उ.9
- (क) कवि ने दधीचि, कर्ण, राजा उशीनर व रतिदेव जैसे महापुरुषों के उदाहरण 2
- (ख) तपोवन में तप किया जाता है, जहाँ परस्पर सदभाव और मित्रता का वातावरण रहता है, कोई शत्रुता का भाव नहीं। 2
- (ग) बिना तेल के दीपक अर्थात् आकाश में चमचमाते अनेक तारे अथवा इस संसार में रहने वाले असंख्य लोग जिनके हृदय में स्नेह नहीं। 1
- उ.10 (कोई एक उत्तर) 5
- गीतकार ने प्रजातंत्र प्रणाली को सर्वोपरि बताते हुए जनता के द्वारा, जनता के लिए व जनता से ही राजा (शासक) की चुनाव प्रणाली को महत्व दिया है जहाँ आम जनता अपनी इच्छा से अपनों के बीच में से ही शासक चुनते हैं जिससे आम जनता की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, वहाँ राम बनकर हमें ही शासन करना है और भारत रूपी सीता की रक्षा की जिम्मेदारी हर नागरिक की है, कवि ने प्रत्येक नागरिक को उसकी जिम्मेदारी व देशभक्ति का संदेश दिया है।
- अथवा
- कवि को परमात्मा से यह अपेक्षा नहीं कि ईश्वर उसका भार हल्का करें, वह स्वयं दुखों का निदान ढूँढना चाहता है, वह पौरुष बल को डगमगाने नहीं देना चाहता वह नहीं चाहता कि ईश्वर हर मार्ग में हर विपत्ति को सरल बना दें विपत्ति में भी उसमें इतनी शक्ति भर दे कि सभी विपत्तियों का सामना कर सके। यदि जीवन संग्राम में धोखा उठाना पड़े तो भी वह हार न माने।
- उ. 11 बच्चे प्यार के भूखे, कोई धर्म, जाति व भाषा का बंधन नहीं, जहाँ प्यार वहाँ खिचाव, 5
- बच्चों को अपनेपन की आशा, भाई-बहनों के बीच झगड़ों द्वारा खींचतान, फेल होने पर मानसिक दबाव, पारिवारिक व मित्रों से स्नेह व सम्मान की आशा व आवश्यकता।
- अथवा
- बचपन में मौजमस्ती, स्कूल के गृहकार्य पर शरारतें व दोस्तों का साथ, परिवार में बड़ों का प्यार, ननिहाल व ददिहाल से प्रेम, विद्यालय व शिक्षा के नए-नए अनुभव, कोई पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं।

(खंड घ)

उत्तर 12 से उत्तर 16

(प्रत्येक उत्तर 5 अंक) 5x5 = 25

प्रारूप -2 अंक, विषयवस्तु- 2 अंक, भाषा -1 अंक